विद्या भवन, बालिका विद्यापीठ,लक्खीसराय

वर्ग नवम्

विषय-हिन्दी || पुनरावृत्ति ||

आज की कक्षा में पुनरावृत्ति के तहत समास की परिभाषा तथा उसके भेदों का परिचय दिया जा रहा है । जिसमें आज अव्ययीभाव के बारे में बताया जाता है ।

✳ परिभाषा : 'समास' शब्द का शाब्दिक अर्थ होता है 'छोटा - रूप' । अतः जब दो या दो से अधिक शब्द (पद) अपने बीच की विभक्तियों का लोप कर जो छोटा रूप बनाते हैं , उसे समास , सामासिक शब्द या समस्त पद कहते हैं । जैसे -'रसोई के लिए घर' शब्दों में से के लिए विभक्ति का लोप करने पर नया शब्द बना 'रसोई घर' , जो एक सामासिक शब्द है ।

✳ समास विग्रह :किसी समस्त पद या सामासिक शब्द को उसके विभिन्न पदों एवं विभक्ति सहित पृथक् करने की क्रिया को समास का विग्रह कहते हैं जैसे-

विद्यालय → विद्या के लिए आलय

माता - पिता → माता और पिता

✳ समास के प्रकार

समास छः प्रकार के होते हैं -

1 . अव्ययीभाव समास

2 . तत्पुरुष समास

3 . द्वन्द्व समास

4 . बहुब्रीहि समास

5 . द्विगु समास

अव्ययीभाव समास में प्रायः

(i) पहला पद प्रधान होता है ।

(ii) पहला पद या पूरा पद अव्यय होता है । (वे शब्द जो लिंग , वचन , कारक , काल के अनुसार नहीं बदलते , उन्हें अव्यय कहते हैं)

(iii) यदि एक शब्द की पुनरावृत्ति हो और दोनों शब्द मिलकर अव्यय की तरह प्रयुक्त हो , वहाँ भी अव्ययीभाव समास होता है ।

(iv) संस्कृत के उपसर्ग युक्त पद भी अव्ययीभव समास होते हैं

यथाशक्ति → शक्ति के अनुसार

यथाशीघ्र → जितना शीघ्र हो

यथाक्रम → क्रम के अनुसार

यथाविधि → विधि के अनुसार

यथावसर → अवसर के अनुसार

यथेच्छा → इच्छा के अनुसार

प्रतिदिन → प्रत्येक दिन / दिन - दिन / हर दिन

प्रत्येक → हर एक / एक - एक / प्रति एक

गृहकार्य – दी गयी सामग्री को ध्यानपूर्वक पढ़ें और अपने वर्गकार्य की कांपी में लिखें और अव्ययीभाव के दस अतिरिक्त उदाहरण को लिखें और उसका समासिक-विग्रह करें ।।